

## सुरक्षा पर भारत, श्रीलंका और मालदीव का सहयोग

### प्रलिस के लयः

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, क्वाड

### मेन्स के लयः

रक्षा क्षेत्र में भारत, श्रीलंका और मालदीव के सहयोग का महत्त्व एवं चीन का प्रतसंतुलन

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में श्रीलंका, भारत द्वारा आयोजत एक उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार-स्तरीय बैठक में श्रीलंका और मालदीव सुरक्षा सहयोग के "चार सतंभों" पर काम करने के लयः सहमत हुए हैं।

- इन चार क्षेत्रों में समुद्री सुरक्षा, मानव तस्करी, आतंकवाद का मुकाबला और साइबर सुरक्षा शामिल है।
- कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन के तहत हुई बैठक में बांग्लादेश, सेशेल्स और मॉरीशस ने पर्यवेक्षकों की भूमिका में भाग लयः।

## प्रमुख बढुः

### पृष्ठभूमः

- नवंबर 2020 में कोलंबो में समुद्री सुरक्षा पर NSA ([राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार](#)) की त्रपिकीय बैठक के तुरंत बाद इस समूह का नाम बदलकर 'कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन' कर दयः गया। श्रीलंका की राजधानी (कोलंबो) में एक सचवालय भी स्थापत कयः गया है।
- यह त्रपिकीय ढाँचा वर्ष 2011 में स्थापत कयः गया था।
- कॉन्क्लेव की स्थापना का उद्देश्य तीन हदः महासागर देशों के बीच समुद्री और सुरक्षा मामलों पर घनषुठ सहयोग बनाना था।
- **सैन्य और सुरक्षा सहयोग पर आधारतः यह पहल** भारत द्वारा श्रीलंका और मालदीव के साथ साझा की जाने वाली वर्तमान भू-रणनीतकः गतशीलता के मद्देनज़र इस क्षेत्र में महत्त्व रखती है।

### वर्तमान भूस्थैतकः गतशीलता:

- **श्रीलंका:** इस वर्ष की शुरुआत में भारत ने अपनी दक्षणी सीमा के करीब श्रीलंका के उत्तरी प्रांत के एक द्वीप में चीन द्वारा वकःस परयोजनाओं को शुरू कयः जाने पर सुरक्षा चतःएँ ज़ाहरः की हैं।
- भारत-संयुक्त राज्य अमेरका-जापान-ऑस्ट्रेलया समूह जसः 'क्वाड' के रूप में जाना जाता है, के सदस्यों के साथ मालदीव को वभःनःन क्षेत्रों में सहयोग (खासकर रक्षा क्षेत्र में) कर रहा है।

### नवीनतम बैठक के मुख्य बढुः

- इस बैठक का उद्देश्य चीन की बढ़ती उपस्थतः के बीच बंगाल की खाड़ी सहतः संपूर्ण हदः महासागर क्षेत्र (IOR) के लयः एक समुद्री सुरक्षा तंत्र स्थापतः करना था।
- बैठक में भाग लेने वाले छह देशों के साथ फोकस क्षेत्रों का भी वसुतःार कयः गया और इसमें हथयःारों तथा मानव तस्करी, आतंकवाद व हसःक उग्रवाद का मुकाबला, समुद्री पर्यावरण की सुरक्षा, क्षमता नरःमाण, नशीले पदार्थों सहतः अंतरराष्ट्रीय अपराध तथा मानवीय सहायता एवं आपदा राहत आदः को भी शामिल कयः गया।
- हदः महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को और मज़बूत करने हेतु नौसेनाओं तथा तटरक्षकों के संयुक्त अभ्यास के माध्यम से अधिक सहयोग पर भी चर्चा की गई।
- गौरतलब है कः हदः महासागर क्षेत्र में प्रदूषण संबंधी कई दुर्घटनाएँ देखी गई हैं। एमवी एक्सप्रेस परल, एमटी न्यू डायमंड और एमवी वाकाशयोः जैसे जहाज़ों की इस क्षेत्र में दुर्घटनाएँ हुईं, इससे समुद्री पर्यावरण प्रभावतः हुआ। इसके मद्देनज़र सदस्यों ने पानी में होने वाले प्रदूषण से नपःटने के

तरीकों पर भी चर्चा की।

- इसके अलावा तीन पर्यवेक्षक देशों को अगली बैठक में पूर्ण सदस्य बनने के लिये आमंत्रित किया गया है। यह बैठक मालदीव में होगी।

## महत्त्व

- सहयोग के वषियगत क्षेत्रों का वसितार और बांग्लादेश, मॉरीशस तथा सेशेल्स के रूप में सदस्यता का वसितार, हृदि महासागर क्षेत्र के देशों के बीच एक साझा मंच पर एक साथ काम करने व एक क्षेत्रीय ढाँचे के तहत जुड़ाव के क्षेत्रों को मज़बूत करने का संकेत देता है।
- भारत के तत्काल पड़ोसी देशों में हृदि महासागर क्षेत्र के 6 देशों का एक समान समुद्री सुरक्षा मंच पर साथ आना व्यापक वैश्विक संदर्भ में भी महत्त्वपूर्ण है।
- यह एक प्रमुख सुरक्षा भूमिका नभाने की भारत की इच्छा पर भी प्रकाश डालता है।

## चर्चाएँ:

- मालदीव के राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन के नेतृत्व में माले (Male) के साथ **दिल्ली के संबंध बगिडने** से NSA स्तरीय त्रपिकषीय बैठक की प्रगति प्रभावति हुई है।
- उपक्षेत्रीय सहयोग को द्वपिकषीय राजनीतिक संबंधों से अलग नहीं किया जा सकता है और इसलिये अलग-अलग देशों के साथ अच्छे द्वपिकषीय संबंध बनाए रखना तथा छोटे पड़ोसियों की बढ़ती आकांक्षाओं को पूरा करना महत्त्वपूर्ण होगा।
- उपक्षेत्रीय स्तर पर भारत के साथ कठनि सैन्य सहयोग करने की तुलना में अधिकांश छोटे पड़ोसी देश गैर-पारंपरिक सुरक्षा सहयोग करने में अधिक सहज हैं।

## आगे की राह

- सुरक्षा सहयोग के निर्माण के लिये एक **उपक्षेत्रीय दृष्टिकोण** हाल के वर्षों में **भारत की पड़ोस नीति** में प्रमुखता प्राप्त कर रहा है। समुद्री सुरक्षा सहयोग पर NSA स्तरीय त्रपिकषीय भारत-श्रीलंका-मालदीव वार्ता का पुनरुद्धार इस नीतित्तित दृष्टिकोण को रेखांकित करता है।
- उपक्षेत्र की स्पष्ट सीमा तय करना एक चुनौती बना रहेगा क्योंकि सहयोग हमेशा नकितता कारक से नहीं बल्कि मुद्दे की प्रकृति से भी संचालति होगा। सीमा मुद्दे पर स्पष्टता उपक्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग के उद्देश्यों को बेहतर ढंग से पूरा करने में मदद कर सकती है और सदस्यता के अतव्यापी या गतविधियों के दोहराव से बचा जा सकता है।

## स्रोत: द हट्टि

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/collaboration-of-india,-sri-lanka-and-maldives-on-security>